कवै सुदामा की घरवाली | BY Amit Kalra Meetu

कवै सुदामा की घर आली
मनमोहन थारो यार है
भेंट करो सांवरिया से थे
कहो दुखी परिवार है
कवै सुदामा की घर आली.....

कइयाँ जाऊं कवै सुदामा मन में म्हारे चोर है
दिल में आवे बार बार पर चाले न कोई ज़ोर है
चाले ना कोई ज़ोर है .....
दशा देख कर चल्यो बावलो होकर के लाचार है
भेंट करो सांवरिया से थे
कहो दुखी परिवार है
कवै सुदामा की घर आली.....

ना कोई वस्त्र है तन पर उसके एक फटी से धोती है
ढूंढ रही हैं मनमोहन को आंख्या रोती रोती है
आंख्यां रोती रोती हैं .....
बिनती कर रयो द्वारपाल से सांवरियो म्हारो यार है
भेंट करो सांवरिया से थे
कहो दुखी परिवार है
कवै सुदामा की घर आली.....

खबर करी दरबान सभा में
एक भिखारी आयो है
दीन हीन है लाठी हाथ में
नंगा पाँव ही आयो है
नाम बतावे अपनों सुदामा बिलकुल ही लाचार है
भेंट करो सांवरिया से थे
कहो दुखी परिवार है
कवै सुदामा की घर आली.....

सुनकर नाम सुदामा को यो
दौड़ मुरारी आयो है
सुध बुध खोकर आज यार ने
अपने गले लगायो है
शिव सुबोध ये चरण आंसू से धो रहे कृष्ण मुरार हैं
भेंट करो सांवरिया से थे
कहो दुखी परिवार है
कवै सुदामा की घर आली.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b5%e0%a5%88-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%ae%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%98%e0%a4%b0%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%80-by-amit-kalra-meetu/